Regarding adequate supply of water under the Mission `Har Ghar Nal`

श्री हरीश चंद्र मीना (टोंक-सवाई माधोपुर) : सभापति महोदय, आपने मुझे मेरे संसदीय क्षेत्र टोंक-सवाई माधोपुर से संबंधित मुद्दों पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपके प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

महोदय, मेरा विषय पेयजल एवं सिंचाई के पानी से संबंधित है। पेयजल के लिए केन्द्र सरकार की ?हर घर नल? योजना है। यह योजना सुनने में अच्छी लगती है, पर इसका जो क्रियान्वयन है, वह बिल्कुल ही निराशाजनक है। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वे यहां से इस योजना की मॉनिटरिंग कराएं कि जनता को इसका लाभ मिल रहा है या नहीं मिल रहा है, क्योंकि इसकी बहुत ज्यादा शिकायतें हैं। आपने सभी जगह नल के पाइपलाइन्स डाल दिए हैं, पर पानी कहीं नहीं पहुंच रहा है। मैं आपसे यह आग्रह करता हूं।

सर, मेरे निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित एक मांग है। ई.आर.सी.पी., जो सिंचाई के पानी की योजना है, यह उससे संबंधित है। यह पूर्वी राजस्थान नहर योजना, जिसे अंग्रेजी में ई.आर.सी.पी. बोलते हैं। प्रधान मंत्री जी वहां चुनावों के दौरान गए थे। उन्होंने चुनावों में इसकी घोषणा भी की थी, पर इस बात से मुझे दुख हुआ कि बजट में उसके लिए एक शब्द नहीं बोला गया और एक नया पैसा नहीं दिया गया। इसके लिए मैं सरकार से मांग करता हूं।

महोदय, मेरा एक आखिरी विषय है। मेरे यहां एक बांध है, जो दो जिलों में है।

माननीय सभापति: आप कितने विषयों को रखेंगे? आप तो पहले भी यहां रह चुके हैं। शून्य प्रहर में एक विषय ही होता है।

श्री हरीश चंद्र मीना: महोदय, हमारे यहां एक पांचना बांध है, जिससे राजस्थान के दो जिले ? सवाई माधोपुर और करौली ? में सिंचाई होती है। जब राजस्थान में बी.जे.पी. की सरकार थी, तब से वर्ष 2007 से यह बंद है। हर साल बांध में पानी भरता है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि इस बांध को खुलवाया जाए, ताकि हमारे किसानों को इसका लाभ मिले।

माननीय सभापति : श्री मनोज कुमार जी।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री योगेन्द्र चांदोलिया।